राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 214 | जौनपुर | मंगलवार, 25 मार्च 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

योगी सरकार के 8 पूर्ण होने पर जिले मे तीन दिवसीय विकास उत्सव समारोह का हुआ शुभारंभ

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। योगी सरकार के 08 वर्ष पूर्ण होने पर जिला मुख्यालय पर 25 से विकास उत्सव समारोह का तीन दिवसीय आयोजन राम कथा पार्क में शुरु हुआ। जो 27 व 28 मार्च तक चलेगा। जिसका शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रुप मे आये जिले के प्रभारी मंत्रीध्कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही दीप प्रज्वलित कर किया।इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री का जिले के अधिकारियों द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।उसके बाद प्रभारी मंत्री द्वारा विभिन्न विभागों के प्रदर्शनी में लगे स्टॉल पर प्रदेश सरकार के 08 वर्षो में ''सेवा सुरक्षा एवं सुशासन'' थीम पर विभागीय आई0ई0सी0 सामग्री का अवलोकन किया गया।प्रभारी मंत्री द्वारा प्रदर्शनी अवलोकन के बाद दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारम्भ किया गया।

एक करोड़ से अधिक महिलाओं को दी गई घरौनी- सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के आठ वर्ष पूरे होने पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को पत्रकार वार्ता की। इस मौके पर उन्होंने सरकार के आठ वर्षों की उपलब्धियों पर जारी एक पुस्तिका का विमोचन किया। इसके बाद सरकार की श्सेवा, सुरक्षा और सुशासन नीतिश पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री भी जारी की। इस मौके पर सीएम योगी ने समर्थन देने के लिए आमजनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आठ वर्षों में किसान के उत्थान के लिए, बेरोजगारों को रोजगार देना, परंपरागत उद्यमिता को आगे बढ़ाया गया, मातृशक्ति के स्वावलंबन के लिए जो कार्य किए गए। इसके लिए जनपद मुख्यालयों में तीन दिन दिवसीय कार्यक्रम चलाए जाएंगे। लोगों को इसके बारे में जानकारी दी जाएगी। सीएम ने आगे कहा कि पहले दंगे, आतंक को लोगों ने देखा। आठ वर्ष पहले यूपी बीमारू राज्य माना जाता था। आज वही प्रदेश अर्थ शक्ति के रूप में उभरा है। पहले यूपी विकास का ब्रेक माना जाता था। आज वही प्रदेश विकास की उदाहरण बनकर उभरा है। प्रदेश वही है, जनता वही है, सिस्टम वही है, सिर्फ सरकार बदलने मात्र से बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। सीएम ने कहा कि 2017 से पहले किसान आत्महत्या करता था। जिस प्रदेश में तकनीकि का उपयोग करके किसान को समृद्ध बनाया जाना चाहिए था, वहां पर किसानों के लिए कुछ नहीं किया गया। आज प्रदेश की जीडीपी में 28 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। आज किसानों को किसान सम्मान निधि को माध्यम से करोड़ों रुपये सीधे खाते में भेजे गए। चीनी मिलें बंद करने की जगह छह नई मिलें स्थापित कीं–सीएम प्रदेश में सिंचाई की व्यापक व्यवस्था की गई। हमने प्रदेश में कृषि विज्ञान केंद्र स्थापिक किए। कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की। इसका नतीजा हुआ कि दलहनी, तिलहनी फसलों के साथ अन्य फसलों का उत्पादन बढ़ा। पहले चीनी मिलें बंदी की कगार पर थीं। करोड़ों रुपये किसानों का बकाया था। हमने इसमें बदलाव किया। हमने चीनी मिलें बंद होने नहीं दीं। साथ ही छह मिलें स्थापित कीं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आज 177 लाख लीटर एथेनाल का उत्पादन प्रदेश में हो रहा है। हमने 14 लाख निजी नलकूपों को बिजली की निःशुल्क व्यवस्था देकर किसानों को समृद्ध बनाया। सरकार ने 2023–24 में गेहूं की खरीद के पहले करीब ढाई गुना खर्च किया। धान के क्रय में पहले की सरकारों की अपेक्षा 2017–2024 के बीच पांच गुना अधिक धान का मूल्य डीबीटी से किसानों के खाते में भेजी गई। पारदर्शी व्यवस्था से पुलिस कार्मिकों की भर्ती पूरी की 2017 से पहले न बेटी सुरक्षित थी, न व्यापारी। हर दूसरे–तीसरे दिन दंगा होता था। आज प्रदेश में कानून का राज है। महाकुंभ इसका उहादारण है। इतने बड़े आयोजन के बाद बी एक भी घटना नहीं घटित हुई। प्रदेश वही है, लेकिन सरकार बदलने से बड़ा बदलाव आया है। पारदर्शी व्यवस्था से सरकार ने एक लाख से अधिक पुलिस कार्मिकों की भर्ती पूरी की। हाल में 60 हजार और पुलिसकर्मियों की भर्ती पूरी हुई है। 2017 से पहले 10 जनपदों में पुलिस लाइन नहीं थी। बारक खराब पड़े थे। आज उन जिलों में या तो पुलिस लाइन का काम पूरा हो गया है, या निर्माणाधीन हैं। आज पीआरवी 112 के रिस्पांस टाइम में बेहतर सुधार हुआ है। पहले 15 मिनट से अधिक था, आज यह रिस्पांस टाइम सात मिनट तक रह गया है। नारी सशक्तीकरण में यूपी ने बेहतर काम किया। अभी होली पर जो पुलिस की भर्ती संपन्न हुई, उसमें 12 हजार सेअधिक महिलाओं को शामिल किया गया है। सीएम ने कहा कि बेटी के जन्म से लेकर स्नातक तक पढ़ाई के लिए दी जाने वाली 25 हजार की सहायता राशि से हजारों बेटियां लाभान्वित हो रही हैं। प्रदेश में 4.76 लाख से अधिक सामूहिक विवाह संपन्न कराए गए हैं। एक करोड़ से अधिक महिलाओं को घरौनी देने का काम किया गया है। पहले प्रदेश का युवा अपनी पहचान के लिए मोहताज था। आज समाज का कोई भी व्यक्ति जब बाहर जाता है, तो उसके सामने पहचान छिपाने की मजबूरी नहीं होती है। पहले बेरोजगारी दर 19 फीसदी से अधिक थी।

भारत–पाक मैच के दौरान देश विरोधी नारेबाजी प्रशासन ने चलाया था बुलडोजर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सिंधुदुर्ग जिले में भारत विरोधी नारे लगाने के आरोपों के बाद एक स्क्रैप व्यापारी की दुकान को ध्वस्त करने के खिलाफ दायर अवमानना घ्ख्याचिका के जवाब में सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और मालवन नगर परिषद को नोटिस जारी किया है। पिछले महीने चौंपियंस ट्रॉफी मैच के बाद 38 वर्षीय व्यापारी किताबुल्ला हमीदुल्ला खान और उनके परिवार पर भारत विरोधी नारे लगाने का आरोप लगा था। इसके बाद मालवन में नगर निगम के अधिकारियों ने अनधिकृत निर्माण का हवाला देते हुए खान की दुकान को ध्वस्त कर दिया। याचिका में कहा गया है कि मुस्लिम व्यक्ति के घर और दुकान को बिना किसी पूर्व सूचना या चेतावनी के ध्वस्त कर दिया गया, जो बुलडोजर कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट के पिछले दिशा–निर्देशों का उल्लंघन है।

न्यायमूर्ति बीआर गवई की अगुवाई वाली पीठ ने मामले को अपने हाथ में लिया है और संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। सूत्रों के अनुसार, स्थानीय निवासियों ने 23 फरवरी को भारत–पाकिस्तान मैच के बाद मालवन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि खान ने अपनी पत्नी आयशा (35) और अपने 15 वर्षीय बेटे के साथ मिलकर भारत विरोधी नारे लगाए, जिसमें भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के आउट होने के बाद भी नारे लगाना शामिल था। खान ने अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जिसमें दावा किया गया है कि विध्वंस कानूनी प्रक्रियाओं और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन है। मामला फिलहाल न्यायिक विचाराधीन है।

संक्षिप्त समाचार

उप्र में महिला सुरक्षा को लेकर सपा का संसद परिसर में प्रदर्शन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसदों ने उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा के मुद्दे को लेकर सोमवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं जिन पर उत्तर प्रदेश में कानून–व्यवस्था की स्थिति और 'बेटियों पर अत्याचार' का उल्लेख था। सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने कहा, ''उत्तर प्रदेश की यह स्थिति हो गई है कि लड़कियों को मारकर लटका दिया जाता है। पहले अयोध्या में हुआ, फिर बलिया और बनारस में हुआ। कोई सुनने वाला नहीं है। कानून–व्यवस्था पूरी तरह भंग हो चुकी है।'' उन्होंने कहा, ''हमारी मांग है कि अन्याय करने वालों को दंड मिले। यदि ऐसा नहीं हो सकता तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री इस्तीफा दें। वह महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहे हैं।

बंगाल सरकार ने रामनवमी के लिए कोलकाता में सुरक्षा बढ़ाई

बंगाल, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में रामनवमी जुलूसों को लेकर पिछले दिनों अलग–अलग इलाकों में हुई झड़पों के बाद कोलकाता पुलिस ने इस साल 6 अप्रैल को इन मार्गों को पूरी तरह सीसीटीवी कवरेज के दायरे में लाने का फैसला किया है। इस साल रामनवमी के जुलूसों से पहले कोलकाता का प्रशासन अतिरिक्त सावध्ानी बरत रहा है। शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने पहले ही जुलूस के मार्गों पर स्थानीय पुलिस स्टेशनों को मौजूदा सीसीटीवी सेटअप का सर्वेक्षण करने के लिए सूचित कर दिया है। शहर के पुलिस मुख्यालय से संबंधित पुलिस थानों को, जिनके अधिकार क्षेत्र में जुलूस निकलेंगे, संदेश भेजा गया है कि वे उन मार्गों पर सीसीटीवी की कार्य स्थितियों का तुरंत सर्वेक्षण करें। शहर पुलिस के एक अंदरूनी सूत्र ने बताया कि पुलिस थाने से आने वाली रिपोर्ट में उन मार्गों पर पहले से लगे । सीसीटीवी कैमरों की मौजूदा कार्य स्थितियों का विवरण देना होगा।

लगता है कि सत्तापक्ष ने सदन नहीं चलाने का मन बना लिया है – प्रियंका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने लोकसभा और राज्यसभा में गतिरोध् ा को लेकर सोमवार को कहा कि लगता है कि सत्तापक्ष ने सदन नहीं चलाने का मन बना लिया है। कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे को लेकर हंगामे के कारण सोमवार को दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित हुई। प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं के प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा, ''ऐसा लगता है कि उन्होंने (सत्तापक्ष ने) मन बना लिया है कि सदन नहीं चले। अब कई दिन हो गए हैं और वे हंगामा खड़ा करने का कोई न कोई बहाना ढूंढ़ ही लेते हैं।'' कर्नाटक विध्ानसभा ने बीते शुक्रवार को विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कड़े विरोध के बीच सरकारी ठेकों में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाला विधेयक पारित किया। राज्य मंत्रिमंडल ने 'कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता' (केटीपीपी) अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दी थी, जिसके तहत दो करोड़ रुपये तक के (सिविल) कार्यों और एक करोड़ रुपये तक के मालध्सेवा खरीद अनुबंध में मुसलमानों को चार प्रतिशत का आरक्षण का प्रावधान किया गया है। इस मुद्दे पर और कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के एक बयान पर सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में गतिरोध की स्थिति बनी रही। इन मुद्दों पर हंगामे के चलते पहले लोकसभा की कार्यवाही सुबह शुरू होने के कुछ मिनट बाद ही दोपहर 12 बजे तक और फिर अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। ,वहीं, राज्यसभा में इस मुद्दे पर हंगामे के चलते बैठक शुरू होने के दस मिनट बाद ही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

कर्नाटक में मुस्लिमों को आरक्षण पर राज्यसभा में भारी हंगामा

कर्नाटक, (एजेंसी)। कर्नाटक में सार्वजनिक ठेकों में मुसलमानों को आरक्षण देने के मुद्दे पर सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। दोपहर के भोजन के बाद जब सदन की कार्यवाही फिर से शुरू हुई तो विपक्ष की नारेबाजी के बीच पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) संशोधन विधेयक, 2024 में लोकसभा द्वारा किए गए संशोधनों को विचार के लिए पेश किया। प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित किए जाने के बाद, उपसभापति हरिवंश ने हंगामा जारी रहने के कारण सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी। हंगामे की वजह से उच्च सदन में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो पाया। सदन के नेता एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि कर्नाटक विध्ानसभा में ठेकेदारों को ठेके देने के लिए 4: आरक्षण (अल्पसंख्यकों को) देने का प्रस्ताव पारित किया गया है। सरदार पटेल और अंबेडकर ने कहा था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा। तेलंगाना विधानसभा में सबसे पहले उन्होंने एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकार छीनकर मुसलमानों और अल्पसंख्यकों को आरक्षण दिया। डीके शिवकुमार ने फिर कहा है कि संविधान कांग्रेस ने दिया है और संविधान बदलने का काम भी कांग्रेस ही करेगी। कोई पश्चाताप नहीं है सत्ता पक्ष के सदस्यों के हंगामे के बीच नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि डॉ. बी आर आंबेडकर के बनाये संविधान को कोई भी ताकत नहीं बदल सकती है। सदन की बैठक शुरू होते ही भाजपा सदस्यों ने आरक्षण का मुद्दा उठाया और हंगामा करने लगे। हंगामे के बीच ही संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि जो लोग संविध्ान के रक्षक होने का दावा करते हैं, वे लोग संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर बैठे एक कांग्रेस नेता ने कहा है कि आरक्षण के मुद्दे पर जरूरत पड़ी तो संविधान में बदलाव किया जाएगा। उन्होंने यद्यपि किसी का नाम नहीं लिया किंतु माना जाता है कि उनका संकेत कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की ओर था। इससे पहले, जब लंच के बाद सदन की कार्यवाही फिर से शुरू हुई, सूचीबद्ध पत्रों को सदन के पटल पर रखने के बाद, हरिवंश ने विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को बोलने का मौका दिया, जिन्होंने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि कांग्रेस के एक नेता ने संविधान को बदलने की बात कही थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि कर्नाटक में उनकी पार्टी के किसी भी व्यक्ति ने मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए संविधान में बदलाव करने के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि, सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस सार्वजनिक अनुबंधों में मुसलमानों को आरक्षण दे रही है।

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का काम अंतिम दौर में – मुर्मू

नई दिल्ली, (एजेंसी)।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित लोगों को समाज की मुख्यध्ारा से जोड़ने का काम अंतिम और निर्णायक दौर में पहुंच गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य जल्द ही इस बुराई से मुक्ति पा लेगा। छत्तीसगढ़ विधानसभा के रजत जयंती वर्ष समारोह के दौरान सदन को संबोध्ति करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा ने लोकतांत्रिक परंपराओं के उच्चतम मानदंड स्थापित किए हैं तथा बेहतरीन संसदीय आचरण का अनूठा उदाहरण पेश किया है। उन्होंने इस बात की भी सराहना की कि राज्य विधानसभा में 19 महिला सदस्य हैं और 2023 के विधानसभा चुनाव में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अध्िक थी। राष्ट्रपति ने कहा कि सभी विधायकों को प्रयास करना चाहिए कि अगली विधानसभा में महिला सदस्यों की संख्या बढ़े। मुर्मू ने कहा, वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का काम अंतिम और निर्णायक दौर में पहुंच गया है। मुझे बताया गया है कि छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र के लोग विकास के मार्गों पर आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि छत्तीसगढ़ को उग्रवाद से पूर्णतरू मुक्त करने के प्रयास में आप सब शीघ्र ही सफलता प्राप्त करेंगे और राज्य के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ेंगे। मुर्मू ने कहा, इस सदन में 19 महिला विध्ायक हैं। 2023 विधानसभा चुनाव में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक थी। इस प्रकार, इस सदन को छत्तीसगढ़ की माताओं, बहनों और बेटियों का विशेष समर्थन प्राप्त हुआ है। मैं विधायक बहनों से अनुरोध् ा करती हूं कि वे जीवन के हर क्षेत्र में काम करने वाली सभी बहनों को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा तत्पर रहें। जब सभी महिलाएं राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली अन्य महिलाओं को बढ़ावा देंगी, तो पुरुषों का भी ध्यान जाएगा तथा उनके विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

देश की शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने में लगा है आरएसएस, इसे हमें मिलकर रोकना होगा – राहुल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) देश के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने में लगा हुआ है। उन्होंने यहां जंतर–मंतर पर 'इंडिया' गठबंधन के विभिन्न घटक दलों की छात्र इकाइयों के संयुक्त प्रदर्शन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी को मिलकर रोकना एवं पराजित करना है। विपक्षी पार्टियों की छात्र इकाइयों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मसौदा नियमों और पेपर लीक के मुद्दों को लेकर 'संसद मार्च' का आह्वान किया था। राहुल गांधी ने दावा किया, ''एक संगठन हिंदुस्तान का भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने में लगा है। उस संगठन का नाम आरएसएस है। यदि शिक्षा व्यवस्था उनके हाथ में चली जाएगी, जो धीरे धीरे जा रही है, तो देश बर्बाद हो जाएगा और इस देश में किसी को रोजगार नहीं मिलेगा।'' उनका कहना था, ''आज छात्रों को यह बताने की जरूरत है कि सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपति आरएसएस द्वारा नामित हैं और आने वाले समय में राज्यों के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति भी आरएसएस द्वारा नामित होंगे। यह देश के लिए खतरनाक हैं। इसे हमें रोकना है।'' राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बेरोजगारी और महंगाई पर बात नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा, ''देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री ने महाकुंभ के बारे में लोकसभा में बात की। मैं यह बोलना चाहता था कि कुंभ के बारे में बात करना अच्छी बात है,

लेकिन भविष्य के बारे में बात करनी चाहिए, बेरोजगारी के खिलाफ बात करनी चाहिए।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया, ''प्रधानमंत्री बेरोजगारी, महंगाई और शिक्षा व्यवस्था के बारे में बात नहीं करते क्योंकि प्रधानमंत्री का मॉडल, भाजपा और आरएसएस का मॉडल है।

कामरा की 'लोकेशन' का पता लगाया जा रहा, कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी– मंत्री

मुबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मंत्री योगेश कदम ने सोमवार को कहा कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ ''अपमानजनक'' टिप्पणी करने वाले 'स्टैंड–अप कॉमेडियन' कुणाल कामरा की 'लोकेशन' का पता लगाया जा रहा है और इस मामले में कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाएगी। शिवसेना नेता कदम ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि कानून सबके लिए समान है और वह कामरा की टिप्पणी को लेकर मुंबई के एक स्टूडियो में तोड़फोड़ करने वाले अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की कार्रवाई का समर्थन नहीं करते। गृह राज्य मंत्री ने हालांकि यह भी कहा कि शिवसैनिकों के गुस्से को समझना चाहिए। उन्होंने कहा, ''कामरा की 'लोकेशन' का पता लगाया जा रहा है। कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाएगी। सिक्के के दोनों पहलुओं को समझना चाहिए। मुंबई के खार इलाके में यूनिकॉन्टिनेंटल होटल के हैबिटेट स्टूडियो में अपने कार्यक्रम के दौरान कामरा ने उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना नेता शिंदे को कथित तौर 'गद्दार' कहा था और उन पर व्यंग्य भी किया था। कामरा ने उद्धव ठाकरे के खिलाफ 2022 में शिंदे के विद्रोह को बयां करने के लिए फिल्म 'दिल तो पागल है' के एक हिंदी गीत के संशोधित संस्करण का इस्तेमाल किया। पुलिस के अनुसार, रविवार रात कई शिवसेना कार्यकर्ता स्टूडियो में गए और कथित तौर पर वहां तथा होटल में तोड़फोड़ की। अध्िकारियों ने पहले बताया था कि मुंबई पुलिस ने सोमवार को शिंदे के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने को लेकर कामरा के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने शिवसेना पदाधिकारी राहुल कनाल और 11 अन्य को मुंबई के उस होटल में तोड़फोड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया है, जहां कामरा ने शिंदे के खिलाफ 'गद्दार' वाली विवादास्पद टिप्पणी की थी।

वक्फ बिल के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन करेगा एआईएमपीएलबी, नीतीश-नायडू को अल्टीमेटम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने वक्फ (संशोध्ान) विधेयक, 2024 के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की, जिसके तहत विरोध के पहले चरण के तहत 26 और 29 मार्च को पटना और विजयवाड़ा में राज्य विध्ानसभाओं के सामने बड़े पैमाने पर धरना देने की योजना बनाई गई है। एआईएमपीएलबी के प्रवक्ता एसक्यूआर इलियास ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित जेडी(यू), आरजेडी, कांग्रेस और लोक जनशक्ति पार्टी के नेताओं को पटना में आमंत्रित किया गया है। एआईएमपीएलबी के प्रवक्ता और वक्फ विधेयक के खिलाफ कार्रवाई समिति के संयोजक एसक्यूआर इलियास ने कहा, ध्अल्लाह की कृपा और इन समूहों के एकजुट समर्थन के बिना, दिल्ली प्रदर्शन की सफलता संभव नहीं होती।ष एआईएमपीएलबी की 31 सदस्यीय कार्य समिति ने विधेयक का विरोध् ा करने के लिए सभी 'संवैधानिक, कानूनी और लोकतांत्रिक साधनों' का उपयोग करने का संकल्प लिया है। आगामी विरोध प्रदर्शन में एआईएमपीएलबी के वरिष्ठ नेताओं के साथ–साथ राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय धार्मिक और सामाजिक संगठनों के भी भाग लेने की उम्मीद है। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस और वामपंथी दलों को निमंत्रण जारी किया गया है। इलियास ने कहा कि इन विरोध प्रदर्शनों का उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन सहयोगियों को यह स्पष्ट संदेश देना है कि ''या तो विधेयक से समर्थन वापस ले लें या फिर हमारा समर्थन खोने का जोखिम उठाएं।'' अपने राष्ट्रव्यापी आंदोलन की योजना के तहत, ।एडब्स्ठ ने हैदराबाद, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, मलेरकोटला (पंजाब) और रांची में बड़ी रैलियाँ आयोजित करने की योजना बनाई है।

इस अभियान में जिला स्तर पर धरना प्रदर्शन, मानव श्रृंखला और सोशल मीडिया अभियान, विशेष रूप से एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हैशटैग अभियान शामिल होंगे।

संपादकीय

आधी-अधूरी खुशी

हाल में जारी 'हैप्पीनैस इंडेक्स' में भारत की स्थिति में कुछ सुधार की बात तो जरूर सामने आयी है,लेकिन हमारी खुशी के सूचकांक को यूक्रेन, फिलीस्तीन, नेपाल व पाक से पीछे बताना गले नहीं उतरता। खुशी के मानक निर्धारण के जो पैमाने पश्चिमी देशों द्वारा इस्तेमाल किये जाते हैं, उनकी विश्वसनीयता व तार्किकता को लेकर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। निस्संदेह, हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। हमारी प्रगति की राह पर सदियों की गुलामी के दंश अभी पूरी तरह मिटे नहीं हैं। निस्संदेह, देश में गरीबी है, बेरोजगारी बढ़ी है, महंगाई है, सामाजिक सुरक्षा में पर्याप्त प्रगति नहीं हुई है। लेकिन तबाह हो चुका फिलीस्तीन, युद्ध में बर्बाद यूक्रेन व दुनिया में मदद मांगता फिरता पाकिस्तान खुशी के मामले में हम से आगे नहीं हो सकते। भले ही देश में आर्थिक विषमता हो, पूंजी का केंद्रीयकरण चंद हाथों में हो, लेकिन इसके बावजूद हम दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हम दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती आर्थिकी हैं। लेकिन इसके बावजूद दर्शाए खुशी के सूचकांक सरकारों को आईना दिखाते हैं कि हर नागरिक की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो, उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो, सामाजिक सुरक्षा मिले, काम के अवसर मिलें। मंथन हो कि हमारी रीति–नीतियों में कहां खोट रह गयी कि हम कथित खुशी के सूचकांक में गरीब मुल्कों के पीछे दर्शाए जा रहे हैं। हर राष्ट्रवादी व्यक्ति को ये बात चुभती है कि उसका देश खुशी के मानकों में पिछड़े देशों से भी क्यों पिछड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुश देश बताया जा रहा है। इसी कड़ी में डेनमार्क व स्वीडन भी हैं। ये विकसित देश भारत के एक शहर जितनी आबादी वाले देश हैं। इनके यहां साक्षरता दर ऊंची है व समृद्ध संसाधन उपलब्ध हैं। कहते भी हैं छोटा परिवार सुखी परिवार होता है। हमारे देश में प्रांतीय, जातीय व धार्मिक अस्मिता के नाम पर जनसंख्या बढ़ाने की दलीलें दी जा रही हैं। दुहाई दी जाती है कि हमारा धर्म इजाजत नहीं देता कि परिवार नियोजन अपनाया जाए। संसाधन सीमित हैं और खाने वाले मुंह लगातार बढ़ते जा रहे हैं। फिर भी शासन–प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार एक हकीकत है, जिसको लेकर तमाम राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय आंकड़े समय–समय पर आते रहते हैं। भ्रष्टाचार का मतलब है कि किसी के वाजिब हक का मारा जाना। शिक्षा,स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में हम यदि पिछड़े हैं तो कहीं न कहीं ये हमारे नीति–नियंताओं की विफलता भी है। यह हमारे लोकतंत्र की भी विडंबना है कि मतदान का अधिकार रखने वाले चुनाव के दौरान योग्य प्रतिनिधियों के चयन से चूकते हैं। यही वजह कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं में दागदार नुमाइंदों की उपस्थिति बढ़ती जा रही है। जब ऐसे तत्व हमारे भाग्य–विधाता बनेंगे तो खुशी कहां से आएगी? स्पष्ट है कि यदि हम खुशी के मानकों में खरे नहीं उतरे हैं तो नीतियां बनाने वालों को आत्ममंथन करना होगा। जागरूक नागरिक व जिम्मेदार राजनीतिक नेतृत्व तसवीर बदल सकता है।

गंभीर पहल से ही सुलझेगा मणिपुर संकट

बी.एल. वोहरा

आखिरकार, भाजपा और उसके जरिए, भारत सरकार ने पिछले कुछ समय से मणिपुर में फैली अव्यवस्था को सुलझाने की दिशा में कुछ निर्णायक कदम उठाए हैं। सरकार ने पहले एक अनुभवी नौकरशाह को राज्य का राज्यपाल नियुक्त किया, फिर भाजपा शासित मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को पद छोड़ने को कहा और चार दिन बाद 13 फरवरी को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। ये सभी कदम एक साथ और जल्दी–जल्दी उठाए गए। लेकिन काफी वक्त से यह लंबित था। स्वयं भाजपा और राज्य में भाजपा सरकार उम्मीद के विपरीत आस लगाए हुए थी कि 3 मई, 2023 को राज्य में हिंसा शुरू होने के बाद से सरकार ने जो कमजोर कदम उठाए हैं, उनसे मामले सुलझ जाएंगे। बीच–बीच में कुछ समय के लिए शांति काल के अलावा लंबे समय तक टकराव अनवरत जारी रहा। इसके चलते मैतेई और कुकी जातियों के बीच संबंध बहुत तनावपूर्ण हो गए। समस्या कई अन्य कारणों से भी बढ़ गई, जिसके विभिन्न पहलुओं पर गंभीर प्रभाव पड़े। दो कारण भाजपा को ठोस कदम उठाने से रोक रहे थे रू एक तो यह कि हम एक लोकतंत्र हैं, दूसरा यह कि राज्य में भी सत्ता उसी दल के पास थी, जिसकी केंद्र में सरकार है। ऐसे राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना पार्टी के लिए शर्मिंदगी की वजह बनता क्योंकि इसका मतलब होगा कि खुद अपनी ही पार्टी की सरकार के कामकाज पर सवाल उठना। इसके अलावा, पार्टी को ऐसा उत्तराधिकारी मुख्यमंत्री नहीं मिल पाया जो सभी को स्वीकार्य हो। हालांकि, सत्तारूढ़ पार्टी ने अब कड़वा घूंट पीना तय कर लिया है। देर आयद दुरुस्त आयद! भविष्य की ओर देखते हुए, बहुत काम किए जाने की जरूरत है।

सबसे पहले, समस्या की उत्पत्ति को देखें ताकि इससे निपटने में मदद मिल सके। म्यांमार में सैन्य शासन यानी जुंटा का अपने देश के संपूर्ण भूभाग पर, खासकर मणिपुर सीमा से लगते इलाके पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं है। इन क्षेत्रों में कई समूह अपनी सरकार से युद्धरत हैं और यहां तक कि कुछ इलाका उनके अधीन भी है। इसके अलावा, हिंसा के कारण, गोल्डन ट्राइंगल नाम से कुख्यात अंतर्राष्ट्रीय ड्रग व्यापार रूट पर, मुख्य रूप से मोरेह शहर और मणिपुर के क्षेत्र से होकर गुजरने वाला, असर हो रहा था क्योंकि म्यांमार में अफीम की खेती के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में कमी आई थी या विस्तार नहीं हो पाया था। कई कुकी और संबंधित जनजातियां अपने स्थानीय रिश्तेदारों की मदद से मणिपुर में, मुख्य रूप से कुकी बहुल चूड़ाचांदपुर क्षेत्र में आन बसे और उन्होंने मणिपुर में भी अफीम उगाना शुरू कर दिया। स्थानीय लोग भी इस मुनाफेदार खेती में उनके साथ लग गए। जब यह बात राज्य सरकार के संज्ञान में आई, तो अवैध अप्रवासियों की पहचान करने के लिए कार्रवाई की गई। स्थानीय लोग,जिसकी पीठ पर बहुत अमीर एवं ताकतवर अंतर्राष्ट्रीय ड्रग माफिया का हाथ था,इस कार्रवाई का विरोध करने लगे। वे सरकार को पीछे हटने को मजबूर करना चाहते थे। उनके सौभाग्य से –और राज्य के दुर्भाग्य से– मैतेइयों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने वाली याचिका पर, मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा आए आदेश की गलत व्याख्या ने परेशानी पैदा करने का एक कारण प्रदान किया। 27 मार्च, 2023 को जारी इस आदेश में कहा गया था रू'राज्य में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने के लिए याचिकाकर्ताओं के मामले पर शीघ्रता से विचार किया जाना चाहिए।' इसमें केवल याचिका पर विचार करने के लिए आदेश था, न कि मैतेइयों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के लिए। लेकिन कुकियों ने जानबूझकर इसे गलत ढंग से प्रस्तुत किया, यह कहते हुए कि मैतेइयों को एसटी का दर्जा दे दिया गया है। हालांकि बाद में उच्च न्यायालय ने इस पैराग्राफ को हटा दिया, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था। दोनों पक्षों ने रैलियां निकालनी शुरू कर दीं, कुछ हिंसा भी भड़की और दोनों समुदायों द्वारा नाकेबंदी और जवाबी नाकेबंदी होने लगी। मैतेई बहुल घाटी में और कुकी एवं अन्य संबंधित जनजाति बहुल पहाड़ी इलाके में। स्थिति बदतर होती चली गई। हालात इतने खराब हो गए कि घाटी के लोग चुड़ाचांदपुर नहीं जा सकते थे और इसके विपरीत चुड़ाचांदपुर वाले घाटी में नहीं आ सकते। कुकियों ने एक अलग प्रशासन की मांग की। वे नहीं चाहते थे कि मैतेई लोगों को एसटी का दर्जा मिले क्योंकि उन्हें लगा कि इससे न केवल उनकी नौकरी का कोटा प्रभावित होगा बल्कि मैतेई लोग वैध तरीके से पहाड़ियों में जमीन भी खरीद सकेंगे। इसलिए, दोनों समुदायों के बीच एक तरह से पूर्ण पैमाने पर जातीय संघर्ष छिड़ गया, जिसमें हिंसा के कारण जान–माल का नुकसान हुआ और दोनों पक्षों के लोगों को विस्थापित होना पड़ा। आरोप है कि ड्रग माफिया ने अपनी मोटी जेबों के दम पर इस स्थिति को और बिगाड़ने में अहम भूमिका निभाई है। जल्द ही, सरकार और उसकी मशीनरी तक भी हिंसा का असर हो गया। दुर्भाग्यवश, दोनों समुदायों के बीच इस तरह का दोफाड़ कुछ हद तक पुलिस सहित सरकारी अमले में भी फैल गया। इसने स्थिति को और खराब कर दिया। अपराधी और निष्क्रिय पड़े विद्रोही समूह भी इस लड़ाई में कूद पड़े और इसका नतीजा यह हुआ कि सरकारी मशीनरी पूरी तरह चरमरा गई। पुलिस स्टेशनों और शस्त्रागारों पर भी हमला किया गया और 5,000 से अधिक हथियार लूट लिए गए। यह भी आरोप है कि पुलिस ने डरकर या मिलीभगत के कारण कई हथियार सौंपे। अवांछनीय तत्वों और हिंसक समूहों के हाथों में इतनी बड़ी संख्या में हथियार राज्य के लिए एक बड़ा खतरा हैं। इनमें से बमुश्किल एक–चौथाई हथियार ही बरामद हो पाए हैं। हालात और बदतर बने जब कुकी समूह हिंसा फैलाने के लिए ड्रोन तक का इस्तेमाल करने लगे। जाहिर है, उन्हें बहुत मदद हासिल है। चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों के इस क्षेत्र में अपने निहित स्वार्थ हैं और उन्होंने दूसरों की लड़ाई में अपने लिए मौका पाया है। म्यांमार की स्थिति भी एक बड़ा कारक है। सरकार ने प्रतिक्रिया में और अधिक सैन्य बल भेजे हैं, लेकिन स्थिति पूरी तरह से उसके नियंत्रण में नहीं है। इसलिए, अब राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद संबंधित अधिकारियों के लिए काम करना आसान हो जाएगा।

इंसान के भीतर ही खुशी का मंत्र

रेनू सैनी

खुशी एक ऐसा तत्व है जो अंतर्मन को जाग्रत करने से मिलती है। यह निश्शुल्क है लेकिन फिर भी प्रसन्नता प्राप्त करने के लिए ही दुनिया में लोग लाखों–करोड़ों खर्च करते हैं। उसके बाद भी प्रसन्नता की कोई गारंटी नहीं होती। लोगों का मानना है कि खुशी धन, यश से आती है। धन और यश क्षणिक वस्तुएं हैं। इनसे पूरे जीवन की खुशी प्राप्त करना असंभव है। हमारा मस्तिष्क एक इच्छा पूर्ण होने के बाद ही दूसरी इच्छाओं की पूर्ति में लग जाता है। इस तरह पहली वस्तु प्राप्ति की इच्छा और खुशी समाप्त हो जाती है। जो वस्तु अप्राप्य है उसकी कामना में हृदय मचलने लगता है। यही दुख का कारण बनता है। इसके अलावा भी दुखी होने के अनेक कारण होते हैं। जब हम काम करते हैं या फिर सामाजिक परिवेश के दौरान कई बार ऐसी स्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं जब हम पर शब्दों की मार पड़ती है। शब्दों की तुलना घातक और विषैले बाण से की जाती है। ये शब्द अंतर्मन को आहत कर देते हैं। बौद्ध मत कहता है कि नकारात्मक वाक्यों को तुरंत भुला देना चाहिए। इसके लिए बस यह मंत्र अपनाना चाहिए कि, 'कोई ध्यान न दें।' जब शब्दों पर ध्यान दिया जाता है तभी वह शिला की भांति हृदय में गड़ते प्रतीत होते हैं। उस ओर से ध्यान हटा कर अच्छी बातों को सोचने से तनाव और पीड़ा छूमंतर हो जाती है। कहते हैं कि, 'आठों पवन चलते हों तो भी जेन मन नहीं डिगता।' बौद्ध विवेक यही है कि स्वयं की वस्तुओं के मोह से दूर होना सीखें। शब्दों के घेरे में भी न घूमें। खुश रहना हमारे शरीर के रसायनों पर निर्भर करता है। शरीर में डेल्टा, थीटा, अल्फा, बीटा और गामा मस्तिष्क तरंगें होती हैं। इनमें से गामा मस्तिष्क तरंगों की आवृत्ति सभी तरंगों से अधिक होती है। गामा तरंगें उच्च स्तर के विचार और ध्यान से जुड़ी होती हैं। शोध बताते हैं कि यदि मस्तिष्क गामा तरंगों के उच्च स्तर उत्पन्न करता है, तो व्यक्ति अधिक खुश और ग्रहणशील होता है। गामा तरंगों का उच्च स्तर व्यक्ति को एकाग्र, प्रसन्न और कार्यशील स्मृति को अच्छा बनाता है। कभी न उदास होने वाले व्यक्ति हैं ैक्मैथ्यू रिचर्ड। वे दुनिया के सबसे खुश इंसान हैं। उनका जन्म फ्रांस में हुआ था। खुशी की तलाश में उन्होंने फ्रांस को छोड़ दिया। वे तिब्बत पहुंच गए। यहां आकर वे दलाई लामा के फ्रेंच दुभाषिए का कार्य करने लगे। इस दौरान उन्हें बौद्ध धर्म से जुड़ी नई–नई बातें जानने को मिलीं। उन्होंने इस बात को महसूस किया कि किसी भी नकारात्मक बात पर ध्यान न देना बौद्ध विवेक है। अंग्रेजी में एक कहावत भी है कि, 'आउट ऑफ साइट, आउट ऑफ माइंड'। इसका अभिप्राय यह है कि आंखों और मन से ओझल बातों, वस्तुओं और व्यक्तियों को प्रायः भुला दिया जाता है। यदि इसे सकारात्मक तरीके से प्रयोग किया जाए तो यह बौद्ध विवेक व्यक्तियों की खुशी को जाग्रत करने का सबसे प्रमुख कारण बन सकता है। मैथ्यू ने ध्यान द्वारा अपने मस्तिष्क की गामा तरंगों को अधिक विकसित किया, फलस्वरूप उन्होंने खुश रहने में सफलता प्राप्त की। उनका मानना है कि, 'अब कोई भी बदलाव उन्हें उदास नहीं करता।' विस्कॉन्सिन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने मैथ्यू के सिर पर 256 सेंसर लगाए ताकि उनके अंदर की हलचल को जाना जा सके। ये रिसर्च 12 सालों तक चली। उन्होंने जाना कि जब भी मैथ्यू ध्यान करते थे तो उनका मस्तिष्क गामा तरंगें पैदा करता था। ये तरंगें ध्यान और स्मृति को बढ़ाने में मदद करती हैं। रिसर्च से यह बात साबित हो गई कि मैथ्यू के अंदर इतनी अधिक खुशी है कि वहां पर नकारात्मकता के लिए कोई जगह नहीं है। गामा तरंगें दुनिया के बहुत कम लोगों में पाई जाती हैं। यह किसी भी परिस्थिति में खुशी का स्तर बढ़ाने का काम करती हैं। गामा तरंग के बारे में मैथ्यू का कहना है।

.... स्वास्थ्य ....

तेजी से टूटने लगेंगे बाल, अगर ब्रश करते समय करेंगी ये गलतियां

बालों की देखभाल करना हर महिला की प्राथमिकता होती है, क्योंकि बाल न केवल हमारी सुंदरता का हिस्सा होते हैं, बल्कि हमारी सेहत और पर्सनल केयर का भी एक अहम हिस्सा होते हैं। लेकिन बालों का टूटना एक आम समस्या है, जो कई कारणों से हो सकती है। बालों के टूटने का एक कारण गलत तरीके से बालों को कंघी करना भी हो सकता है। सही तरीका जानने से आप बालों को टूटने से बचा सकती हैं। यहां हम आपको बता रहे हैं कि बालों को कंघी करते समय कौन सी गलतियां नहीं करनी चाहिए, ताकि आपके बाल सुरक्षित रहें और टूटने से बचें।

गीले बालों को कभी भी रफली न कंघी करें

सबसे पहली और सबसे बड़ी गलती गीले बालों को कंघी करने की होती है। गीले बालों की स्ट्रैंड्स काफी नाजुक होती हैं और इस समय अगर आप उन पर ज्यादा जोर डालती हैं, तो बालों का टूटना स्वाभाविक है। जब बाल गीले होते हैं, तो वे अपनी प्राकृतिक बनावट से अधिक लचीले होते हैं, जिससे कंघी करने पर आसानी से टूट जाते हैं। गीले बालों को कंघी करने से पहले उन्हें हल्का सूखने दें या फिर तौलिए से थपथपाकर अतिरिक्त पानी निकाल लें। फिर, बालों को धीरे–धीरे और हल्के हाथों से कंघी करें।

कंघी को बहुत जोर से खींचना

अक्सर हम जब कंघी करते हैं तो उसे बहुत जोर से खींचते हैं ताकि बाल सीधी हो जाएं, लेकिन यह बालों को नुकसान पहुंचाता है। कंघी के ज्यादा जोर लगाने से बालों की जड़ें कमजोर हो सकती हैं और बाल टूट सकते हैं। साथ ही, यह बालों के टूटने के साथ–साथ सिर में दर्द का कारण भी बन सकता है। कंघी को हल्के हाथों से बालों के ऊपर चलाएं और ध्यान रखें कि बालों में कोई गड्ढा न हो। अगर बाल उलझे हुए हैं तो पहले हाथों से बालों को सुलझाएं और फिर कंघी करें।

गलत प्रकार की कंघी का चयन

बालों के प्रकार के अनुसार कंघी का चयन करना भी जरूरी है। यदि आप कड़े और मोटे दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल करती हैं, तो यह आपके बालों को बिना किसी नुकसान के कंघी करने में मदद कर सकती है। वहीं, अगर आपके पास महीन और पतले दांतों वाली कंघी है, तो यह आपके बालों को नुकसान पहुंचा सकती है। यह कंघी बालों में उलझन डाल सकती है और बाल टूटने का खतरा बढ़ा सकती है। अगर आपके बाल लंबे हैं या घने हैं, तो मोटे दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल करें। वहीं, अगर आपके बाल पतले हैं, तो महीन दांतों वाली कंघी का प्रयोग करें।

बालों को बार–बार कंघी करना

कभी–कभी हम बालों को बार–बार कंघी करने की गलती करती हैं। जब आप बार–बार बालों को कंघी करती हैं, तो इससे बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं, जिससे बाल टूटने का खतरा बढ़ जाता है। बालों को दिन में 2 से 3 बार से ज्यादा कंघी न करें। बालों को कंघी करने से पहले यह सुनिश्चित करें कि आपके बालों में कोई गड्ढा न हो और कंघी करने से बाल आसानी से सुलझ जाएं।

बालों के उलझने पर जोर से खींचना

बालों का उलझना एक आम समस्या है, लेकिन अगर आप उलझे हुए बालों को कंघी करने के लिए ज्यादा जोर लगाती हैं, तो यह बालों के टूटने की वजह बन सकता है। उलझे हुए बालों को कंघी करते वक्त कभी भी ज्यादा बल नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि इससे बालों की जड़ें कमजोर हो सकती हैं और बाल आसानी से टूट सकते हैं। उलझे हुए बालों को हल्के हाथों से सुलझाएं। आप बालों को आर्गेनिक हेयर ऑयल या कंडीशनर से सुलझाने का प्रयास कर सकती हैं, ताकि कंघी करते समय बाल टूटने से बचें।

गंदे बालों को कंघी करना

यह समझना जरूरी है कि अगर आपके बाल गंदे हैं, तो उन्हें कंघी करना बालों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। गंदे बालों में तेल, धूल और अन्य प्रदूषक तत्वों का जमाव हो सकता है, जिससे कंघी करने पर बाल कमजोर हो सकते हैं और टूट सकते हैं। हमेशा साफ बालों को कंघी करें। अगर आप लंबे समय तक बालों को बिना धोए रखती हैं, तो बालों में अधिक गंदगी और तेल जमा हो सकता है, जिससे बाल टूटने का खतरा बढ़ जाता है।

खराब श्क्वॅालिटी की कंघी का उपयोग

खराब श्क्वॅालिटी की कंघी का उपयोग करने से बालों में खिंचाव आ सकता है, जिससे बाल टूटने की संभावना बढ़ जाती है। प्लास्टिक कंघी या उन कंघियों का इस्तेमाल करें जो बालों के लिए मुलायम और सुरक्षित हों। कंघी का चयन करते वक्त उसकी गुणवत्ता पर ध्यान दें। लकड़ी या सिलिकॉन कंघी का उपयोग बालों के लिए बेहतर रहता है, क्योंकि ये बालों को नुकसान नहीं पहुंचातीं।

बालों के ताजे शेप के बाद कंघी न करना

अगर आप बालों को सैलून से ताजे शेप में कटवाकर आई हैं, तो कोशिश करें कि उस दिन बालों को कंघी न करें। बालों को शेप में कटवाने के बाद उन्हें कुछ समय आराम देने देना चाहिए। कंघी करने से बालों का शेप बिगड़ सकता है और बाल टूटने की संभावना बढ़ सकती है। बालों को कंघी करने से पहले यह सुनिश्चित करें कि वे ठीक से सुख जाएं और शेप परिपूर्ण हो।

बालों की देखभाल में कंघी करना एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन इसे सही तरीके से करना जरूरी है। गीले बालों को रफली कंघी करने, कंघी को ज्यादा जोर से खींचने, गलत कंघी का उपयोग करने या बालों को बार–बार कंघी करने से बालों की सेहत पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इन छोटी–छोटी बातों का ध्यान रखकर आप बालों को टूटने से बचा सकती हैं और उन्हें लंबा, घना और सुंदर बना सकती हैं।

रोज खाएं ये 3 चीजें और चश्मे को अलविदा कहें, नजर हो जाएगी तेज

हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हमारी आंखें होती हैं, क्योंकि हमें इस दुनिया को देखने के लिए हमारी आंखों की जरूरत होती है। आंखों की रोशनी को बनाए रखना और उसे तेज रखना बहुत जरूरी है। अगर आपको चश्मा लग चुका है या फिर आपकी आंखों की रोशनी कम हो गई है, तो आप अपनी डाइट में कुछ खास चीजों को शामिल करके अपनी आंखों की सेहत को बेहतर बना सकते हैं। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि कौन सी तीन चीजें खाने से आपकी आंखों की रोशनी तेज हो सकती है।

अंडे

अंडे आंखों के लिए एक बेहतरीन आहार हैं। अंडे में विटामिन ।, जिंक और ल्यूटिन जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो आंखों की सेहत को बनाए रखने में मदद करते हैं। विटामिन । आंखों की रोशनी को तेज करता है और रतौंधी (दपहीज इसपदकदमेे) को भी रोकता है। ल्यूटिन और जिंक आंखों को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से बचाने में मदद करते हैं। रोज एक अंडा खाने से आपकी आंखों की रोशनी में सुधार हो सकता है।

गुड बैक्टीरिया की दुकान है बासी रोटी

भारत में रोटी का खास महत्व है, और यह लगभग हर घर में भोजन का अहम हिस्सा होती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि बासी रोटी में छिपे हुए फायदे क्या हो सकते हैं? जी हां, ताजे खाने के मुकाबले बासी रोटी में गुड बैक्टीरिया होते हैं, जो आपके पाचन तंत्र को मजबूत करने में मदद करते हैं। अगर आप सोचते हैं कि यह सिर्फ खाने का तरीका है तो रुक जाइए, क्योंकि इसमें कुछ ऐसा छुपा है, जो आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। तो चलिए, जानते हैं बासी रोटी के वो जबरदस्त फायदे, जो आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकते हैं!

बासी रोटी खाने के फायदे

हम सभी ताजी बनी रोटियां खाने के आदी होते हैं, लेकिन बासी रोटियां भी हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकती हैं। न्यूट्रिशनिस्ट और कंटेंट क्रिएटर दीपशिखा जैन के अनुसार, जब रोटियां 12 घंटे तक ठंडी जगह पर रखी जाती हैं, तो उनकी बनावट बदल जाती है और उनमें कई तरह के स्वास्थ्य लाभ उत्पन्न होते हैं। बासी रोटी खाने से हमारे शरीर को बेहतर पोषक तत्व मिल सकते हैं और यह हमारी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकती है।

बासी रोटी में होता है श्‌रदजपेमचजपबस स्टार्चश्‌

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित त्डप्ज् यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने बताया कि जब ब्रेड या रोटी को ठंडी जगह पर रखा जाता है, तो उसमें एक खास तरह का स्टार्च विकसित होता है, जिसे श्प्रतिरोधी स्टार्चश् (त्मेपेजंदज जंतबी) कहा जाता है। यह स्टार्च हमारे शरीर के पाचन एंजाइमों से बचता है और आंतों में रहने वाले बैक्टीरिया इसे खा कर फैटी एसिड छोड़ते हैं, जो हमारे लिए फायदेमंद होते हैं।

रिसर्च के अनुसार, प्रतिरोधी स्टार्च कोलन कैंसर से बचाने में मदद कर सकता है और यह आंतों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। साथ ही यह मोटापे से बचाव करने, आंत के हार्मोन को नियंत्रित करने और हमारे पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है।

बासी रोटियां और आंतों का स्वास्थ्य

प्रतिरोधी स्टार्च का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आंतों के बैक्टीरिया के लिए कार्बन का एक अच्छा स्रोत बनता है। यह आंतों में फायदेमंद बैक्टीरिया के विकास में मदद करता है, जो शरीर के पाचन तंत्र को मजबूत करते हैं और साथ ही शरीर को अतिरिक्त कैलोरी जलाने में मदद करते हैं।

कौन लोग बासी रोटियां खा सकते हैं?

बासी रोटियां उन लोगों के लिए फायदेमंद हो सकती हैं, जिन्हें आंतों से संबंधित समस्याएं जैसे कब्ज, सूजन, और पाचन तंत्र की समस्याएं हो रही हों। इसके अलावा, जो लोग मोटापे से बचने या स्वस्थ पाचन के लिए उपाय तलाश रहे हैं, उनके लिए भी बासी रोटियां मददगार हो सकती हैं।

कुल मिलाकर, बासी रोटियां न केवल स्वाद में ताजी रोटियों से अलग होती हैं, बल्कि उनमें मौजूद प्रतिरोधी स्टार्च और अन्य पोषक तत्वों के कारण वे स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकती हैं। हालांकि, इसे सही मात्रा में और सही तरीके से खाया जाए तो यह हमारी सेहत को सुधारने में मदद कर सकता है।

संघ राष्ट्र और समाज की उन्नति मे हर क्षण तत्पर - रवि प्रकाश

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) पठकाना, शाहाबाद में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की द्वारा शाखा संगम का कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से सफल रहा कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे जिले से पधारे जिला प्रचारक रवि प्रकाश ने स्वयंसेवको के बीच अपने विचार रखते हुए बताया कि कैसे डॉक्टर हेडगेवार ने संघ की नींव रखी डॉक्टर साहब की महर्षि अरविंद घोष जी से हुई वैचारिक चर्चा के उपरांत जो बिंदु निकल कर आया कि आज नहीं तो अगले बीस वर्षो मे भारत अंग्रेजो से तो आजाद हो जायेगा। पर इस बात की क्या जिम्मेदारी है कि भविष्य मे यह पुनरू किसी अन्य देश की अधीनता स्वीकार नहीं करेगा इन्ही विचारो को ध्यान मे रखते हुए डॉक्टर साहब ने विजयदशमी के पावन दिवस पर 1925 मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे राष्ट्रवादी संघठन की नींव रखी। जो आज हमारे बीच विशाल वट वृक्ष के समान दृढ़ता से इस राष्ट्र की उन्नति में संकल्पित हो कार्य कर रहा है उन्होंने बताया कि महाराजा वीर शिवा जी की माता ने एक स्वप्न देखा था कि इस भारत वर्ष को मुगलो के अत्याचारों से मुक्त कराने के लिए एक ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता है जो निडर साहसी और राष्ट्र पर अपने प्राण तक न्यौछावर करने से पहले संकोच न करे तब माता जीजाबाई ने अपने पुत्र वीर शिवा जी को ऐसी शिक्षा दीक्षा दी जिससे उन्होंने हिंदवी स्वराज की स्थापना का दृढ़ संकल्प पूरा किया आज संघ इसी विषय पर कार्य कर रहा है आज हमें किसी से युद्ध करने की आवश्यकता नही है हमें केवल इतना करना है कि संघ की शाखाओ से ऐसे स्वयंसेवक डॉक्टर शिक्षक इंजीनियर वैज्ञानिक और नेता समाज सुधारक बनकर निकले जो इस राष्ट्र को अपना मानते हो अपने कार्य को करते हुए राष्ट्र की उन्नति को भी ध्यान मे रखते हो कार्यक्रम मे जिले से पधारे सह जिला संपर्क प्रमुख गिरीश जी जिला समरसता प्रमुख नीरज जी नगर शाहाबाद से पधारे खंड संघ चालक संजय जी नगर संघ चालक विक्रम जी नगर कार्यवाह अनूप व इस कार्यक्रम की रूपरेखा जिन्होंने तैयार की नगर प्रचारक आजाद इस शाखा संगम मे नगर बौद्धिक प्रमुख सत्यम सक्सेना ने एकल गीत इतिहास गा रहा है दिन रात गुण हमारा प्रस्तुत किया और अपने ऐतिहासिक विरासत को गीत के रूप मे सबके समक्ष रखा अमन गोविंद विशाल सोहम गोपाल वंश अनिकेत सुवीन रामजी वर्मा धीरज शौर्य अविनाश अनुकूल रिषभ आदि स्वयंसेवक बंधु उपस्थित रहे।

अल्लीपुर महाविद्यालय के बच्चों को मिले टैबलेट

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) डॉ राम मनोहर लोहिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अल्लीपुर हरदोई में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत स्मार्टफोनध टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन मुख्य अतिथि श्री आर.पी.शर्मा व अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव जी ने किया। टेबलेट वितरण का कार्यक्रम में परास्नातक (एम.ए.,एम.एस–सी.) कक्षाओं के छात्र–छात्राओं को टेबलेट वितरण किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री आर.पी.शर्मा जी ने कहा कि इस महाविद्यालय के द्वारा बच्चों को आनलाइन शिक्षण दिया जा रहा है छात्रों के लिए ई लर्निंग के शिक्षण सिमग्री उपलब्ध करायी जा रही है । टैबलेट की भूमिका अद्वितीय है तकनीकी युग में इससे छात्र विभिन्न विषयों की जानकारी सरलता से प्राप्त कर सकते हैं आप सभी अपने स्मार्टफोन टैबलेट का उपयोग आगे की शिक्षा में कर सकते हैं। कार्यक्रम अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव जी ने कहा कि आजकल सम्पूर्ण विश्व की जानकारी सहजता से आनलाइन प्राप्त कर शैक्षिक स्तर को उन्नत किया जा रहा है । नई शिक्षा नीति के आनुसार पी पी टी और प्रोजेक्ट्स बनाने में यह टेबलेट सहायक सिद्ध होंगे। तकनीकी शिक्षा के द्वारा विभिन्न रास्ते सरलता से प्राप्त हो जाते हैं । इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रवक्ता डॉ.शशिकांत पांडे, डॉ रश्मि द्विवेदी ,श्री आनंद विशारद,मुकेश कुमार पारुल गुप्ता शिवम शुक्ला,मेघा गुप्ता, अवंतिका अस्थाना आदि महाविद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

बिजली के निजीकरण के विरोध में बिजलीकर्मियों की महापंचायत, मेरठ में जुटेंगे प्रदेश भर के कर्मचारी

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्वांचल और दक्षिणांचल निगमों के निजीकरण के विरोध में संयुक्त संघर्ष समिति का प्रदर्शन लगातार जारी है। रविवार को विभिन्न जिलों में बैठकें हुईं और आगे की रणनीति पर विचार विमर्श किया गया। तय किया गया कि 24 मार्च को मेरठ में होने वाली बिजली महापंचायत में ज्यादा से ज्यादा लोग हिस्सा लेंगे। लखनऊ के फील्ड हॉस्टल सहित विभिन्न जिलों में हुई समिति की बैठकों में ट्रांजेक्शन एडवाइजर (टीए) की नियुक्ति के मसले पर भी चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने टीए की नियुक्ति को गलत बताते हुए इसे रद्द करने की मांग उठाई। कहा, सलाहकार के रूप में उस कंपनी को चुना जा रहा है जो पहले से ही निजीकरण की पोषक है। समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने बताया कि 24 अप्रैल को मेरठ में होने वाली बिजली महापंचायत में बिजली कार्मिकों के साथ ही किसान नेता भी शामिल होंगे। उपभोक्ता परिषद ने पावर कॉर्पोरेशन से मांग की है कि निजीकरण के टेंडर की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए। टेंडर पोर्टल पर बिड संबंधी दस्तावेजों में लगाया गया हाइड हटाया जाए और उसे सार्वजनिक किया जाए। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि निविदा में योग्यता संबंधी दस्तावेज में कई तरह की गड़बड़ियां हैं। यही वजह है कि उसे सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है। ट्रांजेक्शन एडवाइजर के लिए निविदा में शामिल तीनों कंपनियों के पार्ट एक में लगाए गए निविदा दस्तावेज को छुपाया जा रहा है। मूल्यांकन कमेटी की जिम्मेदारी थी कि वह निविदा की वैधता और योग्यता की छानबीन करे, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने पूरे मामले में मुख्यमंत्री से जांच कराने की मांग की है।

कमेटी बनाकर जिलास्तर पर दूर की जाएंगी समस्याएं, पदाधिकारी शुरू करेंगे दौरे

लखनऊ, (संवाददाता)। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में रविवार को पार्टी के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय की अध्यक्षता में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। इसमें भविष्य की रणनीति तय की गई। प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा होते ही जिलेवार विभिन्न मुद्दों को लेकर जनता के बीच बैठकों का दौर शुरू किया जाएगा। इस दौरान यह भी तय किया गया कि शनिवार को हुए विवाद के निस्तारण के लिए कमेटी बनाकर जांच की जाएगी। बैठक के दौरान प्रदेश के सियासी हालात पर भी चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सुझाव दिया कि विभिन्न स्थानों पर हो रही आपराधिक घटनाओं पर पार्टी को सरकार के खिलाफ निरंतर आक्रामक रवैया अपनाना होगा। जनता को यह भरोसा दिलाना होगा कि कांग्रेस ही विपक्ष की भूमिका निभा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि महिला अपराध के मामले में हमें डटकर मुकाबला करना है। संगठन के पदाधिकारी ऐसी घटनाओं को लेकर जिलेवार दौरा करेंगे। जिला और तहसील मुख्यालयों पर धरना–प्रदर्शन भी शुरू किया जाएगा। विधानसभा सत्र के दौरान विभिन्न स्थानों पर हुई घटनाओं का ब्यौरा सदन में रखना होगा। इसी तरह महंगाई, कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में छात्रों की समस्याओं, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के विरोध में निरंतर अभियान चलाना होगा।

संक्षिप्त समाचार

सैन्य कॉलेज में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च

लखनऊ, (संवाददाता)। राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज देहरादून में कक्षा आठ में प्रवेश लिए आवेदन प्रक्रिया चल रही है। आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च है। प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा एक जून को होगी। इसके लिए राजकीय जुबली इंटर कॉलेज को केंद्र बनाया गया है। उप शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) रेखा दिवाकर ने बताया कि आवेदन पत्र, विवरण पत्रिका और पुराने प्रश्न पत्रों का सेट सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 600 रुपये और अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के लिए 555 रुपये में उपलब्ध है। ये शुल्क बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से द कमांडेंट आरआईएमसी फंड एचडीएफसी की ड्राई ब्रांच बल्लूपुर चौक देहरादून उत्तरखंड के नाम से भुगतान करना होगा। अनुसूचित जाति जनजाति के उम्मीदवारों के लिए जाति प्रमाणपत्र की सत्यापित कॉपी देनी होगी। उम्मीदवार की उम्र एक जनवरी 2026 को 11 वर्ष 6 माह से कम और 13 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। बच्चे का जन्म दो जनवरी, 2013 से पहले और एक जुलाई, 2014 के बाद नहीं हुआ होना चाहिए। प्रवेश के समय उम्मीदवार किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय से सातवीं कक्षा में पास होना चाहिए। आवेदन पत्र स्पीड पोस्ट से भेजने होंगे। इसमें उम्मीदवार को अपना पता, पिन कोड और फोन नंबर स्पष्ट लिखना होगा। पासपोर्ट साइज फोटो (दो प्रतियां आवेदन पर और दो अतिरिक्त हस्ताक्षरित) जन्म प्रमाणपत्र की सत्यापित दो प्रतियां (नगर निगम ग्राम पंचायत से), मूल निवास प्रमाणपत्र की सत्यापित दो प्रतियां देनी होगी। अनुसूचित जाति जनजाति प्रमाणपत्र की सत्यापित प्रति (यदि लागू हो) सातवीं कक्षा में पास होने का मूल प्रमाणपत्र (प्रधानाचार्य की ओर से सत्यापित, फोटो सहित) होना चाहिए। एक अतिरिक्त सत्यापित प्रति भी अनिवार्य है। आधार कार्ड की दोनों ओर से सत्यापित प्रति देना होगी। प्रवेश पत्र के लिए 42 रुपये का स्टैंप चस्पा लिफाफा देना होगा। सभी दस्तावेज 31 उप शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) शिक्षा भवन 58–जगत नारायण रोड पोस्ट ऑफिस चौक पिन संख्या 226003 के साथ कार्यालय में पंजीकृत डाक, स्पीड पोस्ट या कूरियर से भेजना होगा।

आने वाले दिनों में 40 के पार जा सकता पारा पूर्वानुमान जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों में पिछले दो दिनों से सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से जारी बूंदाबांदी और ओलावृष्टि अब थमेगी। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में अब धूप खिलने से लगातार पारा चढ़ेगा और गर्मी बढ़ेगी। बीते दो दिनों में प्रदेश में हुई बूंदाबांदी और हवा के असर से ज्यादातर इलाकों में रविवार को सुबह–शाम तो मौसम सुहाना रहा लेकिन दोपहर में धूप में गर्माहट महसूस की गई। बूंदाबांदी का दौर थमते ही यूपी के अयोध्या और प्रयागराज में तापमान 36 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अगले चार से पांच दिनों में प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। ऐसे में पूर्वानुमान है कि कहीं–कहीं पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार भी जा सकता है। अगले चार दिनों में चार डिग्री तक चढ़ेगा पारा राजधानी में बीते दो दिनों से सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर दिखा। शनिवार को तेज हवाओं और बूंदाबांदी के असर से पारे में गिरावट दर्ज की गई और रविवार को भी मौसम सुहाना रहा। मौसम विभाग का कहना है कि बूंदाबांदी का सिलसिला थमने के बाद अब लखनऊ में धूप खिलेगी, लगातार पारा चढ़ेगा और गर्मी बढ़ेगी। रविवार को राजधानी में सुबह–शाम मौसम सुहाना रहा लेकिन दोपहर में गर्माहट महसूस की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है ।

त्योहारों पर सतर्क रहे पुलिस, न शुरू हो कोई नई परंपरा शोभायात्राओं पर रखें विशेष निगाह

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आगामी पर्व एवं त्योहारों के दृष्टिगत विशेष सतर्कता बरती जाए। धार्मिक स्थलों पर महिला पुलिस कर्मियों की विशेष तैनाती की जाए। बीते 8 वर्षों में सभी पर्व–त्योहारों शांतिपूर्ण माहौल में हुए हैं, जिसे बरकरार रखना है। परंपरा के विरुद्ध कोई भी कार्य न किया जाए। अराजकता फैलाने वाले तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाए। त्योहारों के दौरान शोभायात्राएं निकलेंगी और मेले आदि लगेंगे, जो कानून–व्यवस्था के दृष्टिगत संवेदनशील समय है। खासकर अलविदा की नमाज के दौरान सतर्क–सावधान रहना होगा। शरारतपूर्ण बयान जारी करने वालों के साथ कड़ाई से पेश आएं। सीएम योगी रविवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए आगामी त्योहारों और कानून–व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। साथ ही, प्रदेश सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सभी जिलों में तीन दिवसीय श्जनपदीय विकास उत्सवश आयोजित किए जाने के संबंध में अधिकारियों को दिशा–निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्व–त्योहार में शासन द्वारा सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। स्थानीय जरूरतों का ध्यान रखा जाए। ईद पर साफ–सफाई, स्वच्छता व पेयजल की व्यवस्था रहे। धार्मिक कृत्यों से सड़क मार्ग बाधित न हो। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करें। सोशल मीडिया को लेकर अलर्ट रहें। पीस कमेटी की बैठकें कर लें। शांति और सौहार्द के लिए मीडिया का सहयोग लें। थाना से लेकर जोन एवं मंडल स्तर के अधिकारी अपने–अपने क्षेत्र के धर्मगुरुओं, समाज के अन्य प्रतिष्ठित जनों के साथ संवाद बनाएं। छोटी सी अफवाह माहौल बिगाड़ सकती है। गो–तस्करी आदि अपराध से जुड़े संदिग्धों पर नजर रखें। स्वास्थ्य सहित सभी तरह की आपातकालीन सेवाओं को अलर्ट मोड में रखा जाए। सीएम ने कहा कि श्रीरामनवमी पर अयोध्या और चैत्र नवरात्रि के मौके पर मां विंध्यवासिनी धाम, देवीपाटन धाम, मां शाकुम्भरी धाम व सीतापुर में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। इन महत्वपूर्ण पर्वों के आयोजन को सुशासन, सुव्यवस्था का उदाहरण बनाया जाना चाहिए। भीड़ प्रबंधन के लिए बेहतर नियोजन किया जाना चाहिए। आकर्षक साज–सज्जा की जानी चाहिए। पेयजल की व्यवस्था, छाजन, मैट आदि की अच्छी व्यवस्था हो। देवी स्थलों पर महिला पुलिस कार्मिकों की विशेष तैनाती की जाए।

टेंपो, ई–रिक्शा चालकों का कराएं वेरीफिकेशन

सीएम ने कहा कि टेंपो, ई–रिक्शा चालकों का प्राथमिकता के साथ वेरीफिकेशन कराया जाए। नाबालिग वाहन न चलाएं।

संक्षिप्त समाचार

ऑटो में लगी थी ई रिक्शे की नंबर प्लेट, चालक गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। कैसरबाग बस अड्डे पर फर्जी नंबर प्लेट लगे ऑटो को पुलिस ने कब्जे में ले लिया। एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने आरोपी चालक चिनहट के मल्हौर निवासी मुसीर खान को गिरफ्तार किया है। कैसरबाग के ख्यालीगंज बीट प्रभारी रामकेश सिंह के मुताबिक 20 मार्च को रात दस बजे चेकिंग कर रहे थे। इस बीच चारबाग से आ रहे सफेद रंग के ऑटो के आगे नंबर प्लेट नहीं थी। ऑटो के पिछले हिस्से में नंबर प्लेट लगी मिली। ई चालान एप पर रजिस्ट्रेशन नंबर देखा गया तो पता चला कि नंबर ई रिक्शा का था। पूछने पर मुसीर ने बताया कि ऑटो उसके चचेरे भाई नसीर खान ने पांच माह पहले खरीदा था। हालांकि रजिस्ट्रेशन नंबर अभी तक नहीं आया है। इस बीच उसे रास्ते में एक नंबर प्लेट पड़ी मिली, जिसे उसने ऑटो में लगा लिया था। इंस्पेक्टर कैसरबाग सुनील कुमार सिंह के मुताबिक जिस ई रिक्शा की नंबर प्लेट आरोपी ने ऑटो में लगाई थी वह राजा बाजार के सुबैतियाबाग निवासी सद्दाम हुसैन के नाम पर रजिस्टर्ड है। आरोपी चालक पर केस दर्ज किया गया है। मामले में ऑटो मालिक नसीर की भूमिका देखी जा रही है।

लविवि के प्रबंधन विभाग को आईआई आरएफ रैंकिंग में मिला 38वां स्थान

लखनऊ, (संवाददाता)। लविवि के प्रबंधन विभाग को भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) के तहत देश में 38वां स्थान मिला है। वहीं, प्रदेश में पहला स्थान मिला है। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक राय ने इस उपलब्धि पर विभाग को बधाई दी। प्रबंधन अध्ययन संकाय की डीन प्रो. संगीता साहू ने बताया कि विवि में ये विभाग 1956 में स्थापित हुआ था। यहां एमबीए कार्यक्रम 1974 में शुरू हुआ था। 50 से अधिक बैचों के उद्योग–तैयार पेशेवरों को यहां प्रशिक्षण मिल चुका है।

चार घंटे से ज्यादा मोबाइल देखने से बढ़ रहा गर्दन का दर्द

लखनऊ, (संवाददाता)। दिन में चार घंटे से ज्यादा मोबाइल फोन देखने वालों को गर्दन में दर्द की समस्या हो सकती है। इसे टेक नेक कहा जाता है। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में ऑर्थोपेडिक सोसाइटी और केजीएमयू की ओर से आयोजित ऑर्थोप्लास्टी कॉन्क्लेव के दूसरे और अंतिम दिन विशेषज्ञों ने ये जानकारी दी। केजीएमयू के डॉ. शैलेंद्र सिंह और डॉ. शाह वलीउल्लाह ने बताया कि स्क्रीन देखने के लिए सिर आगे की ओर झुकाने से आपकी गर्दन की मांसपेशियों और रीढ़ पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। यहां तक कि 15 डिग्री का झुकाव भी 12 किलोग्राम तक का दबाव बढ़ा सकता है। 30 डिग्री के झुकाव पर यह वजन 18 किलो से ज्यादा हो जाता है। इससे गर्दन में दर्द, अकड़न और स्थायी नुकसान हो सकता है।

नई पीढ़ी भगत सिंह के विचारों से अछूती

लखनऊ, (संवाददाता)। जनवादी लेखक संघ की बैठक में रविवार को बलिदान दिवस पर भगत सिंह को याद किया गया। 10 विधानसभा मार्ग पर हुई बैठक में जलेस के राज्य सचिव नलिन रंजन सिंह ने कहा, भगत सिंह एक ओर अंग्रेजी सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने के लिए पार्लियामेंट में बम फेंकते हैं तो वहीं दूसरी तरफ उनका मानना था कि क्रांति का मतलब केवल बम–बन्दूक नहीं बल्कि विचार हैं। सुभाष राय ने कहा, बेहद अफसोस की बात है कि हमारी नई पीढ़ी भगत सिंह के विचारों से अछूती है। इस मौके पर नाइश हसन, श्रवण कुमार गुप्त, सीमा सिंह आदि मौजूद रहीं।

भगत सिंह ने हिला दी थी अंग्रेजी हुकूमत

लखनऊ, (संवाददाता)। भगत सिंह के शहादत दिवस पर रविवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की ओर से राजधानी में अलग–अलग कार्यक्रम आयोजित हुए। भाकपा के जिला प्रभारी रमेश सिंह ने कहा कि भगत सिंह दुनिया के एकमात्र ऐसे क्रांतिकारी थे, जिन्होंने न केवल अंग्रेजी हुकूमत को हिला दिया बल्कि, मजदूरों, किसानों और युवाओं के लिए समतामूलक समाज का सपना भी रचा। भगत सिंह के संघर्ष को आगे बढ़ाना जरूरी है। इस दौरान भगत सिंह को श्रद्धांजलि भी दी गई।

नो हेलमेट, नो फ्यूल अभियान पर बढ़ेगी सख्ती, तीन बार नोटिस दिए जाने के बाद लग सकता है जुर्माना भी

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में सड़क हादसों में बढ़ती मौतों को देखते हुए अब नो हेलमेल, नो फ्यूल अभियान पर सख्ती बढ़ाई जाएगी। फीसदी शराब के नशे में और 12 फीसदी गलत दिशा में वाहन चलाने की वजह से होने वाले हादसे में दम तोड़ते हैं। बाइक सवारों की मौत

परिवहन विभाग और पुलिस मिलकर इस अभियान को गति देंगे। इसके लिए सभी पेट्रोल पंप संचालकों को भी पत्र भेजा गया है। साथ ही कॉलेजों एवं कार्यालयों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। प्रदेश में सड़क दुर्घटना में हर साल करीब 25 हजार लोगों की मौत होती है। मरने वालों में 31 फीसदी बाइक सवार हैं। मौत की वजह देखी जाए तो कुल मरने वालों में 49 फीसदी अधिक गति की वजह से जान गंवाते हैं, जबकि आठ मामले को लेकर सड़क सुरक्षा समिति ने भी नाराजगी जताई है। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से भी बाइक सवारों की मौत को रोकने के लिए पुख्ता रणनीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत अब परिवहन एवं पुलिस विभाग ने संयुक्त रणनीति के तहत नो हेलमेट, नो पेट्रोल अभियान चलाने का निर्देश दिया है। सभी पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देशित किया गया है कि बिना हेलमेट आने वाले बाइक सवारों को पेट्रोल न दिया जाए। सरकारी, अर्द्ध सरकारी और कॉर्पोरेट कार्यालयों, विश्वविद्यालयों, बैंक में भी नो हेलमेट नो एंट्री, नो अटेंडेंस की व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। अब परिवहन एवं यातायात पुलिस की टीमें इस आदेश की निगरानी बढ़ाएंगी। बिना हेलमेट बाइक सवार को पेट्रोल देने वालों पंपों की फोटो खिंचवाई जाएगी और उसके बाद संबंधित संचालक को भेजी जाएंगी। यही प्रयोग कार्यालयों, विश्वविद्यालयों में भी की जाएगी। संबंधित फोटो के जरिये पंप संचालकों, कॉलेज संचालको और कार्यालय के मुखिया को बताया जाएगा ।

आधी आबादी की तरक्की के बिना देश की उन्नति नहीं

लखनऊ, (संवाददाता)। आधी आबादी की तरक्की के बिना देश की उन्नति नहीं हो सकती है। हमें रानी लक्ष्मीबाई, बेगम हजरत महल से सीखना चाहिए जो अपने हक के लिए अंग्रेजों से लड़ गईं। ये बातें सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को गोमतीनगर स्थित एक होटल में महिला विभूतियों के सम्मान–समारोह के दौरान कहीं। जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट व सपा महिला सभा की ओर से आयोजित अजया महिला सम्मान समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में परचम लहरा रही 98 महिलाओं को सम्मानित किया गया। सपा महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह ने दिवंगत सपा समाजवादी नेता डॉ. लोहिया के साथ ही शिक्षा में योगदान के लिए सावित्री बाई फुले को याद किया। यहां अखिलेश यादव ने कहा, उनकी सरकार ने जब 1090 सेवा शुरू की तब इसे विमेन हेल्पलाइन नहीं बल्कि पावर विमेन नाम रखा। उनकी सरकार जब आएगी तब ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को पेंशन देने की योजना शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा, प्रो. रूपरेखा ने जिंदगी भर लोगों को जगाने का काम किया है। मलिहाबाद में अयोध्या की महिला की हुई हत्या के प्रकरण पर बोले कि एनकाउंटर

किसी समस्या का हल नहीं हो सकता। महिलाएं देश में सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। यूपी के एक आईएस अधिकारी पर हुई कार्रवाई पर कहा, वसूली की रकम के बंटवारे की लड़ाई में वो पकड़े गए। व्यंग्य करते हुए कहा, मैं एक मंदिर में गया तो मंदिर को गंगाजल से धुलवाया गया। इस लिए पुरुष उतना मान नहीं देते। जो स्त्रियां मुखर हैं या हक के लिए बोलती हैं उन पर सवाल खड़े किए जाते हैं। चुटकी लेते कहा, ईश्वर ने पहले पुरुषों को बनाया होगा, स्त्रियों को बाद में। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता व गायिका चाहत मल्होत्रा ने, ओ री चिरैया...गीत सुनाया।

रैली निकालकर ग्रामीणों को किया जागरूक

लखनऊ, (संवाददाता)। केजीएमयू के अधिष्ठाता, छात्र कल्याण की ओर से रविवार को जागरूकता साइकिल रैली निकाली गई। रैली को अधिष्ठाता छात्र कल्याण के प्रो. आरएएस कुशवाहा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें केजीएमयू के छात्र–छात्राओं और चिकित्सकों ने भाग लिया। केजीएमयू के जरिये गोद लिए गांवों में नशामुक्ति, दहेज प्रथा रोकने, महिला सशक्तीकरण आदि विषयों पर रैली निकालकर जागरूक किया। इसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, विधायक मलिहाबाद जय देवी, विधायक मोहनलालगंज अमरेश कुमार शामिल हुए। कौशल किशोर ने ग्रामीणों को शराब, सिगरेट तंबाकू जैसे मादक

आधुनिक युग की मांग है आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस: सुनील दत्त

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मंगलवार को महंत अवेद्यनाथ नाथ संगोष्ठी भवन में कॉर्पोरेट परिदृश्य में उभरते रुझान विषयक कॉर्पोरेट कॉन्क्लेव 2025 के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य वक्ता रिलायंस जिओ इंफोकॉम के अध्यक्ष सुनील दत्त ने आनलाइन उद्बोधन में कहा कि कॉर्पोरेट जगत में हो रहे परिवर्तनों को ध्यान में रखकर विद्यार्थियों को जीवन में सदैव सीखते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सम्पूर्ण विश्व एआई के बारे में चर्चा कर रहा है। एआई एक मशीन है जो मानव बुद्धिमत्ता का अनुकरण करके तीव्र गति से डेटा प्रोसेस कर मानव की मदद कर रही है। यह आधुनिक युग की मांग है। इसने उद्योग एवं अन्य क्षेत्र में मानव जीवन को सरल बनाया है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को जीवन में अपना लक्ष्य निर्धारित कर उसे प्राप्ति के लिए मेहनत करते रहना चाहिए। एआई के आने के

बाद में कॉर्पोरेट सेक्टर में काम की भरमार है।

विशिष्ट अतिथि टाटा मोटर्स, कॉनकॉर्ड मोटर्स इंडिया के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीव कपूर ने कहा कि जिस संस्थान में काम करें उसके अन्य विभागों के लोगों से भी सीखे। उन्होंने कहा कि उच्च पद पर वही व्यक्ति पहुंचता है जो नीचे के पदों पर सफलतापूर्वक कार्य किया हो। उन्होंने जीवन में उम्र के अलग–अलग पड़ावों पर प्रगति के सूत्र को बताया। कहा कि कॉर्पोरेट जगत में विकास और अवसरों की कमी नहीं है।

सम्मानित अतिथि अपटेक लिमिटेड के पूर्व प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल जैन ने उद्योग के लिए विद्यार्थियों के कौशल पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आप जहा काम कर रहे है उसके लिए कुछ मौलिक नैतिकता बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि संस्था के प्रति कटिबद्ध, वफादार और विश्वसनीय लोगों की मांग सदैव बनी रहती है। पहले की तुलना में आज अवसरों में वृद्धि हुई है। जॉब के अनुरूप अपने कौशल को विकसित करना चाहिए। कार्य के दौरान परिस्थितियॉ सदैव समान नहीं रहती है नई चुनौती के अनुरूप काम करें।

कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट जगत के नए परिदृश्य से परिचित कराने के लिए कॉर्पोरेट कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया है। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि कॉर्पोरेट जगत में हो रहे परिवर्तन के अनुरूप विद्यार्थी तैयार हों। कॉरपोरेट कॉन्क्लेव के संयोजक प्रोफेसर अविनाश पाथर्डीकर ने संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया।

इसी क्रम में आयोजित प्लेनरी सत्र में पूर्व डीजीएम, सैमसंग, विनीत सिंह ने कहा कि कॉर्पोरेट में मेहनत करने वालों के लिए आगे का स्कोप अच्छा रहता है अगर आपको अपने ऊपर विश्वास है तो नौकरियां और प्रोन्नति सदैव मिलती रहती है। शेल पेट्रोल के पूर्व ग्लोबल प्रबंधक, संदीप खन्ना ने ट्रेंड्स पर चर्चा करते हुए कहा कि कॉर्पोरेट में नेटवर्क ज्यादा जरुरी हो गया है. आज के समय में मार्केटिंग प्लेटफार्म बदल गए है। ऑनलाइन मार्केटिंग हमारे आइकॉन बन गए है। जॉइंट प्रेसिडेंट और हेड स्टाफिंग, हिंडाल्को मुंबई के भास्कर भट्टाचार्य ने कहा कि भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया विजन के बाद अब हम बहुत से क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

वॉइस प्रेसिडेंट लीगल हाइडेलबर्ग सीमेंट शशांक शेखर ने कहा कि शिक्षा विद्वता है, काम बुद्धिमता है। जब आप वर्कर की स्टाइल में काम करेंगे तभी सफल मैनेजर बन सकेंगे जितनी लगन से कोई काम करेंगे उतना ही बेहतर उसका रिजल्ट आएगा। व्यक्ति को बड़े पद पर रहने के बाद भी लर्निंग टेंडेंसी होनी चाहिए। काम के लिए शिक्षा पहली सीढ़ी है। अतिथियों का स्वागत प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. संदीप, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. राजकुमार ने बुके देकर किया। इस अवसर पर सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी और विद्यार्थी मौजूद थे।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के 8 वर्ष प्रदेश की जनता के लिए कष्ट भरा रहा - तेज नारायण पांडे पवन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय लोहिया पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने योगी सरकार के 8 वर्ष पूरा होने के मौके पर कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के 8 वर्ष में उत्तर प्रदेश की जनता योगी सरकार द्वारा ठगी और छली गई है गई है।उन्होंने कहा आज प्रदेश में लूट हत्या बलात्कार अपने चरम सीमा पर है।व्यापारी युवा वर्ग किसान सभी इस सरकार से परेशान है।अयोध्या में किसानों की जमीन को जबरदस्ती किसानों से लिया जा रहा है।प्रदेश में अधिकारी बेलगाम हो चुके हैं वह जब चाहे जहां चाहे किसी को भी बेइज्जत और प्रताड़ित कर रहे हैं। और प्रदेश की सरकार कान में तेल डालकर बैठी हुई है। अभी अयोध्या की घटना को दो दिन हुआ है सोहावल के एसडीएम ने अपने ही स्टेनो से पैसे की वसूली की बार–बार मांग कर रहा था मंगलवार के दिन उसने शिवम यादव का जबरदस्ती मुंडन करवा दिया इससे अवसाद ग्रस्त होकर के वह बच्चा दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे उसकी मृत्यु हो गई।उन्होंने कहा आज अयोध्या के विकास के नाम पर व्यापारियों को परेशान किया जा रहा है।अयोध्या के व्यापारियों को जबरदस्ती दुकान लेकर मुआवजे के नाम पर इनको केवल

ठगा गया है आज पूरे प्रदेश में किसान परेशान है नौजवान बेरोजगार होकर के घूम रहा है उसको नौकरी नहीं दी जा रही है इस सरकार में जो भी परीक्षाएं हो रही है उसका पेपर पहले से ही लीक कर दिया जा रहा है उन्होंने कहा इन 8 सालों में प्रदेश में हत्या बलात्कार अपने पूरे चरम सीमा पर है उन्होंने कहा आने वाले 2027 के चुनाव में यही नौजवान किसान बेरोजगार व्यापारी सभी एकजुट होकर प्रदेश में अखिलेश यादव की सरकार बनाएंगे जिससे कि प्रदेश में फिर से खुशहाली और तरक्की हो सके इस मौके पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहां मुख्यमंत्री के आठ वर्षो का कार्यकाल जनता के लिए दुख भरा रहा अपने कार्यकाल में सुप्रीम कोर्ट तक की बातों को नहीं माना और अवैध रूप से लोगों के मकान पर जबरदस्ती बुलडोजर चलाया जिससे संविधान का खुला उल्लंघन हुआ है उन्होंने कहा इस सरकार में अयोध्या के विकास के नाम पर अधिकारी केवल पैसा लूट रहे है महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव, महासचिव हामीद जाफर मीसम प्रदेश सचिव राम अचल यादव उपाध्यक्ष श्री चंद यादव, रियाज अहमद सचिव जगन्नाथ यादव, वीरेंद्र गौतम, अंसार अहमद पूर्व पार्षद राम अजोर यादव अभय द्विवेदी, प्रदीप यादव,आदि लोग मौजूद रहे।

कन्नौज में जलालाबाद के मूसरि गांव में कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर ने किया कर्नल पदोन्नति समारोह का भव्य आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

कन्नौज। श्रीराम जी की असीम कृपा से पूज्य माता श्रीमती राम बेटी, पिता स्वर्गीय रनवीर सिंह तोमर एवं पूर्वजों के आशीर्वाद से कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर ने कर्नल पदोन्नति के उपलक्ष्य में पैतृक गांव मूसरि (जलालाबाद, जनपद कन्नौज) में सम्मान समारोह का आयोजन किया जिसमें श्रद्धा, सेवा और सामाजिक समरसता का अनुपम दृश्य देखने को मिला। समारोह की शुरुआत श्री रामचरितमानस अखंड पाठ से हुई, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिरस से सराबोर हो गया। इस पावन अवसर पर संत समाज, गुरुजन, वीरांगनाएं, मातृशक्ति, वरिष्ठ नागरिक एवं छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसके पश्चात प्रीतिभोज का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 3500 लोगों ने भोजन ग्रहण किया। कार्यक्रम में होली मिलन, संगीतमय प्रस्तुति एवं सम्मान समारोह विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भक्ति संगीत की मधुर धुनों ने सभी को भाव–विभोर कर दिया। इस शुभ अवसर पर कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर को उनकी अद्वितीय सेवा, अनुशासन और कर्तव्यपरायणता के लिए विशेष सम्मान से विभूषित किया गया।

यह भव्य आयोजन भक्ति, सम्मान और सामाजिक एकता का प्रतीक बनकर सभी के हृदय में अमिट स्मृति छोड़ गया। इस अवसर पर शूटर इंडिया टीम फर्रुखाबाद की आरती चतुर्वेदी, डॉ एस के चंद्रा, रक्षा विशेषज्ञ ब्रिगेडियर विनोद दत्ता, इंटरनेशनल शूटर और कोच अनिल पाल, चाईल्ड राईट एक्टिविस्ट नरेश परास, वीरपाल सिंह तोमर, नायब सूबेदार हरिओम सिंह, राजीव सिंह, आशुतोष सिंह, ऋषिकेश सिंह, विहान और युवान, बादाम सिंह, शिव सिंह, समर सिंह, जगदीश सिंह, किशनपाल, मानसिंह, एडवोकेट विनोद सिंह, शैलेंद्र सिंह, कृष्ण मुरारी, श्याम सिंह, उदय नारायण, सुखपाल सिंह, ओमपाल सिंह, पंकज सिंह, राजेश सिंह, राहुल सिंह, प्रियंक, बलराम सिंह, सोनू, विवेक, अखिलेश, देवेश,राजन, हिमांशु, शरद, गोलू, प्रशांत, निशांत, गोपी एवं समस्त तोमर परिवार ने आए हुए हजारों नागरिकों का स्वागत किया।मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने सभी को राष्ट्र प्रथम के लिए कार्य करने के लिए समाज के हर वर्ग को मिलकर कार्य करने का आवाहन किया,समाज के हर वर्ग और प्रतिभा के सम्मानित सदस्यों का सम्मान करने के लिए और सफल कार्य क्रम के लिए आयोजक और परिवार के सदस्यों का धन्यवाद दिया। भारतीय जनता पार्टी कन्नौज के जिला अध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया ने कार्यक्रम की प्रशंसा की।

कलेक्ट्रेट सभागार अयोध्या मे आगामी त्यौहार ईद उल फितर एवं अलविदा की नमाज की तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। आगामी त्यौहार ईद उल फितर एवं अलविदा की नमाज के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार मे जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह अयोध्या की अध्यक्षता में एक बैठक जनपद के संभ्रान्त व्यक्तियों के साथ संपन्न हुई।बैठक में मौजूद जनपद अयोध्या के वरिष्ठ समाजसेवी श्री नजमुल हसन गनी एवं सुन्नी मरकज जामा मस्जिद टाट शाह के सचिव श्री सिराजुल हक नायाब सदर कमर राइन,श्री वकार खान सहित मरकजी अंजुमन तब्लीग अहले सुन्नत जामा मस्जिद टाट शाह के फजल हुसैन अजहरी,मोहम्मद लकी, मो.अनस अंसारी, मोहम्मद ओवैस व भादरसा कस्बा से आए सैयद सबीउल हसन (पप्पू) रुदौली से अम्मार हशमती आदि ने ईद उल फितर एवं अलविदा की नमाज को लेकर क्षेत्र की समस्याओं से जिला प्रशासन को अवगत कराया तथा मुस्लिम समाज के वरिष्ठ अधिवक्ता मंसूर इलाही पूर्व सेक्रेटरी सराय मस्जिद , सुन्नी मरकज के अधिवक्ता आफताब खान शेरु, अधिवक्ता नदीम सिद्दीकी आदि ने जिला प्रशासन से अनुरोध किया है कि अयोध्या कैंट अयोध्या की सिविल लाइन ईदगाह में विगत वर्षों की भांति ईद उल फितर की नमाज संपन्न कराई जाए।वही अयोध्या धाम अयोध्या से श्री काशिफ शेख चौधरी ने अपने दिए गए पत्र के माध्यम से अवगत कराया की अयोध्या धाम अयोध्या में लगभग तीन दर्जन से अधिक मस्जिदों में 28 मार्च को अलविदा की नमाज एवं चंद्र दर्शन अनुसार ईद उल फितर की नमाज समस्त ईदगाहों में होगी जिसमें जिला प्रशासन द्वारा परंपरागत मिलने वाली समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध किया गया है वही अयोध्या धाम के टूटे मार्ग और जल भराव से संबंधित जटिल समस्या को श्री शोएब खान द्वारा अवगत कराया था जिसे जिलाधिकारी महोदय द्वारा संबंधित विभाग को तुरंत निस्तारण करने का आदेश दिया है।साथ ही शहर के वरिष्ठ समाजसेवी श्री जाहिद खाँ वारसी बाबा ने ईद उल फितर एवं अलविदा की नमाज के संबंध में दिए गए पत्र के माध्यम से अयोध्या कैंट अयोध्या धाम सहित जनपद अयोध्या के शहरी ग्रामीण क्षेत्र की समस्त मस्जिद ईदगाहों के आसपास साफ सफाई चूना छिड़काव खराब रास्तों की मरम्मत पेयजल व्यवस्था स्वास्थ्य व्यवस्था सहित विशेष सुरक्षा व्यवस्था प्रदान किए जाने का अनुरोध किया है साथ ही श्री वारसी ने पत्र के माध्यम से कहां है कि कदीमी ईदगाह सिविल लाइन मे विगत वर्षों की भांति ईद उल फितर की नमाज अदा कराई जाए।अंजुमन गुलिस्तान ए अहलै सुन्नत मोहल्ला लालबाग के सेक्रेटरी श्री अब्दुल समद अंसारी ने एक पत्र प्रेषित कर मोहल्ला लालबाग के हजारों लोगों की जनहित समस्या से जिला प्रशासन को अवगत कराया है।

पर्यावरण प्रदूषण एक ऐसी समस्या है जिसका निवारण सामूहिक प्रयास से सम्भव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विधि संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर के स्वयं सेवकों ने रसूलपुर ग्राम में राष्ट्रीय सेवा योजना (छै) के सात दिवसीय विशेष शिविर का पांचवां दिन (25.03.2025) सफलतापूर्वक सम्पन्न किया। मंगलवार को आयोजित शिविर का विषय श्पर्यावरण सरंक्षणश था जिसमे रसूलपूर के ग्रामवासियो एवं स्वयंसेवकों की उपस्थिति में पर्यावरण सरंक्षण के बारे में जानकारी प्रदान की गई। आज के मुख्य अतिथि एवं वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के सहायक आचार्य डॉ. सुशील कुमार थे, जिन्होंने पर्यावरण एवं उसके संरक्षण से संबंधित उपयोगी

जानकारी दी। उन्होंने आधुनिक युग में प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन, पेड़ों का अनावश्यक रूप से काटा जाना, नदियों का प्रदूषण, ओजोन परत का तेजी से क्षय होना आदि समस्याओं पर अपनी चिंता व्यक्त की एवं सभी लोगो से अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने का अनुरोध किया। उन्होंने सतत् विकास की धारणा पर बल दिया जिसके मूल में ही वर्तमान पीढ़ी का आने वाली पीढ़ियों के लिए संसाधनों का संरक्षण है। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि पर्यावरण प्रदूषण एक ऐसी समस्या है जिसका निवारण सामूहिक प्रयास से सम्भव है एवं छोटी छोटी सावधानियाँ बरतने से परिस्थितिकी तंत्र में बड़े से बड़े बदलाव लाये जा सकते है। मध्यान्ह भोजन के उपरांत कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शशि प्रभा जोशी एवं डॉ चंद्रशेखर राय के दिशानिर्देशों के अनुसार स्वयं सेवकों ने ग्राम रसूलपूर में वृक्षारोपण किया एवं अन्य पौधों जो पहले से सूख रहे थे उनमे पानी डालकर उन्हें नवजीवन देने का प्रयास किया। ततपश्चात दिवस के अंत में स्वयंसेवकों ने घर घर जाकर उन्हें पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूक किया एवं वृक्षारोपण, जल सरंक्षण के लिए प्रेरित किया।

अवैध रूप से संचालित वाहनों के खिलाफ एआरटीओ प्रवर्तन ने चलाया सघन अभियान

अयोध्या। सोमवार की शाम को एआरटीओ प्रवर्तन डाक्टर आर पी सिंह ने राष्ट्रीय राजमार्गों के अलावा शहर के विभिन्न मार्गों पर अवैध रुप से संचालित व ओवरलोड भारी तथा हल्के वाहनों पर शिकंजा कसा।एआरटीओ प्रवर्तन डॉ सिंह ने इन मार्गों के अलावा शहर के उन स्थानों पर भी ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्यवाही किया जो शहर के विभिन्न रेस्टोरेंट, होटल, पेइंग गेस्ट हाउस के सामने मुख्य मार्गों पर खड़े बसों, कारों तथा अन्य ऐसे वाहन जो अवैध रूप से खडे दिखाई दे रहे थे।इसके अलावा उन्होंने बकाया एवं फिटनेस समाप्त वाहनों के विरुद्ध भी अभियान चलाया।एआरटीओ प्रवर्तन डॉक्टर आर पी सिंह ने बताया कि इस अभियान के तहत 14 वाहनों का चालान करते हुए 6 वाहनों को थाने में निरुद्ध किया गया।जिसमें से तीन वाहन ओवरलोड तथा 9 वाहन कर बकाया एवं दो बस परमिट शर्तों के विरुद्ध संचालित पाई गई तथा दो ई रिक्शा जिनका फिटनेस समाप्त था को भी निरुद्ध किया गया।

सेवा,सुरक्षा और सुशासन के तहत भाजपा सरकार के 8 साल पूरे,विकास कार्यों पर चर्चा

ब्यूरो सुलतानपुर

सुल्तानपुर/भाजपा सरकार के आठ वर्ष पूरे होने के अवसर पर मंगलवार को बल्दीराय ब्लॉक परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखा गया और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा की गई।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष ऊषा सिंह रहीं। इसके अलावा एसडीएम गामिनी सिंगला,ब्लॉक प्रमुख व भाजपा नेता शिवकुमार सिंह,तहसीलदार देवानंद तिवारी और बीडीओ राधेश्याम समेत अन्य अधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम में वक्ताओं ने योगी सरकार के बीते आठ वर्षों के विकास कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सरकार ने सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं।वक्ताओं ने प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, मुफ्त राशन योजना और किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार ने हर वर्ग के विकास के लिए कार्य किया है।मुख्य अतिथि ऊषा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए मिशन शक्ति अभियान, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना और विभिन्न स्वरोजगार योजनाएं लागू की गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पहले से बेहतर हुई है और अपराधों पर सख्ती से लगाम लगाई गई

है।ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता जनता की सेवा और विकास है। उन्होंने बताया कि गांवों तक सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के लिए कई परियोजनाएं पूरी की गई हैं।तहसीलदार देवानंद तिवारी ने सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए लाभार्थियों को जागरूक किया। बीडीओ राधेश्याम ने ग्रामीण जनता से अपील की कि वे सरकार की विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए अपने नजदीकी सरकारी कार्यालयों से संपर्क करें।सेवा,सुरक्षा और सुशासन के तहत भाजपा सरकार के आठ वर्ष पूरे होने पर बल्दीराय ब्लॉक मुख्यालय में आयोजित प्रदर्शनी का मुख्य अतिथि ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इसके बाद ब्लॉक सभागार में एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।कार्यक्रम का संचालन एडीओ आईएसबी शिवकुमार ने किया।इस मौके पर एसडीओ विधुत अरुण कुमार यादव, चिकित्सा अधीक्षक अजय प्रताप सिंह, सीडीपीओ राजवती सिंह,खंड शिक्षा अधिकारी रोजी सिंह,मोहम्मद समीम,डॉ सुशील,एडीओ पंचायत दयावंत सिंह,एडीओ समाज कल्याण अरविंद कुमार,जेई एमआई आकाश सिंह,संदीप पांडे, प्रतिभा सिंह आदि मौजूद रहे।

जमीन के विवाद को लेकर एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की युवती को पीट पीट कर मार डाला मुकदमा दर्ज नाम जद अभियुक्त हुए फरार जाँच मे जुटी पुलिस

ब्यूरो सुलतान पुर

सुल्तानपुर। दो पड़ोसियों के विवाद में अगवा कर छात्रा की पीट पीट कर हत्या। घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर हुए फरार। मृतक युवती की पहचान अंशिका वर्मा निवासी मूंगर थाना गोसाईगंज उम्र (23) वर्ष के रूप में। सोमवार की पूर्वान हुई घटना के बाद इलाके में फैली सनसनी,पुलिस उच्चाधिकारी पहुंचे मौके पर। गोसाईगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत मूंगर गांव में जमीन के विवाद में हुई घटना।

श्रीकृष्ण दत्त एकेडमी, वृंदावन योजना, लखनऊ द्वारा एन. एस. एस. विशेष शिविर- सप्तम दिवस

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।श्री कृष्ण दत्त एकेडमी में राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के सप्तम दिवस का आयोजन बरौली, खलीलाबाद में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एन.एस.एस. गीत के माध्यम से हुआ। इसके पश्चात स्वयं सेवियों ने योगाभ्यास किया। तत्पश्चात स्वयं सेवियों ने क्षेत्र में जाकर सड़क जागरूकता अभियान रैली का आयोजन किया जिसके माध्यम से क्षेत्रवासियों को सड़क जागरूकता तथा यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात स्वयं सेवियों ने मानव श्रृंखला बनाकर सड़क जागरूकता अभियान को आगे बढ़ाया। तत्पश्चात स्वयं सेवियो के लिए स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भोजन के पश्चात द्वितीय सत्र में स्वयं सेवियों ने विशेष शिविर के सातों दिनों की आख्या प्रस्तुत की तथा अपने अनुभव बताए। तत्पश्चात स्वयं सेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में श्री विनोद कुमार चौरसिया, प्रधानाध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय,

बरौली खलीलाबाद ने छात्रों को इसी प्रकार से समाज सेवा करने के लिए प्रेरित किया तथा पर्सनालिटी डेवलेपमेंट के बारे में भी समझाया। महाविद्यालय के प्राचार्य, कार्यक्रम अधिकारी तथा शिक्षकगण इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्त में कार्यक्रम अधिकारी डा0 अंशुल पंत ने शिविर में आये हुए सभी शिक्षकगण तथा स्वयं सेवकों को धन्यवाद किया। राष्ट्रगान के साथ सप्त दिवसीय विशेष शिविर का समापन किया गया।

सुखमनी सेवा ट्रस्ट के द्वारा दसवीं बार किया सामूहिक अस्थियों का विसर्जन -खोसला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।सुखमनी सेवा ट्रस्ट के सलाहकार और भीम ब्रिगेड ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव जोली खोसला ने बताया कि सुखमनी सेवा ट्रस्ट परिवार द्वारा 10वीं वार किया लावारिस अस्थियों का सामूहिक विसर्जन हरिद्वार गंगा जी में पूरे विधि विधान से तकरीबन 15 00 लावारिस अस्थियों के मोक्ष की कामना की और सभी से निवेदन किया कि आप भी ऐसे कार्यों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लें शहीदे आजम भगत सिंह ,राजगुरु, सुखदेव जी के शहीदी दिवस की पूर्व संध्या पर पदम श्री आदरणीय जितेंद्र सिंह शंटी जी द्वारा सवेरे सवेरे शमशान घाट से सुखमनी सेवा ट्रस्ट के परिवार को हाथ जोड़कर गायत्री मंत्र पढ़कर दी और कहां की भविष्य में भी यह ऐसी सेवाएं मिलकर करते रहें सभी ने जाकर हरिद्वार गंगा जी में अस्थियां प्रवाहित कर पिंडदान किया राजीव खोसला ने बताया कि सुखमनी

सेवा ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशनी रहेजा जी, उपाध्यक्ष मंजू जी ,और सभी कार्य देख राजू रहेजा जी, अशोक कपूर जी, योगेश गौड़ जी, इंदु बालाजी,

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।